वर्ष-7, अंक 25, जुलाई-सितम्बर 2020

तमसो मा ज्योतिर्गमय

ISSN 2347-6605

वाक् सुधा

VAAK SUDHA

MULTI DISCIPLINE RESEARCH JOURNAL

AN INTERNATIONAL REFEREED QUARTERLY RESEARCH JOURNAL

A SCHOLARLY PEER REVIEWED JOURNAL

www.vaaksudha.com

वर्ष : 7 • अंक : 25 • जुलाई-सितम्बर 2020 • ISSN 2347-6605

वाक् सुधा

VAAK SUDHA

(अन्तर्राष्ट्रीय त्रैमासिक शोध पत्रिका)

(International Peer Reviewed Refereed Journal of Multidisciplinary Research)

(A Scholarly Peer Reviewed Journal)

विशेष सूचना :

विचार की प्रतिबद्धता में राष्ट्रहित सर्वोपरि है।

संरक्षक :

प्रो. दलवीर सिंह चौहान

पूर्व अध्यक्ष, संस्कृत-विभाग, मगध विश्वविद्यालय, बोध गया

रूपेश कुमार चौहान

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक

द्वारा 47, ब्लॉक ए-3, गली नं. 5, धर्मपुरा एक्सटेंशन, दिल्ली-43 से प्रकाशित एवं डॉल्फिन प्रिंटोग्राफिक्स, 4ई/7, पाबला बिल्डिंग, झंडेवालान् एक्सटेंशन, नई दिल्ली द्वारा मुद्रित।

दूरभाष संख्या-09555222747, 9267944100, 9555666907

Email: vaaksudha@gmail.com • Website : www.vaaksudha.com

प्रकाशनार्थ सूचना

* लेखक से अनुरोध है कि शोध-पत्र वॉकमैन चाणक्य 905 या क्रुतिदेव फॉन्ट में वर्ड या पेजमेकर में टाइप (टङ्कण) कराकर शोध-पत्रिका के ई-मेल पर प्रेषित करें।
* शोध-लेख **हिन्दी अथवा संस्कृत भाषा में** न्यूनतम 1500 शब्द एवं अधिकतम 5000 शब्द तक मान्य है तथा इसके साथ लेखक का पद-नाम के साथ स्वयं की फोटो (छवि-चित्र) अत्यन्त अनिवार्य है।
* प्रकाशनार्थ प्राप्त लेख सलाहकार परिषद् एवम् संपादक मण्डल की अनुमति के पश्चात् स्तरीय होने पर ही प्रकाशित होगा।
* लेख में यदि चित्र का प्रयोग हुआ है तो उसे भी अवश्य प्रेषित करें।
* **'वाक् सुधा'** किसी भी तरह के परामर्श का स्वागत करती है, इसलिए अपनी प्रतिक्रिया अवश्य दें।
* यह स्पष्ट किया जाता है कि शोध पत्र में प्रस्तुत तथ्य शोध लेखक के अपने विचार हैं तथा इसमें सलाहकार परिषद् एवं सम्पादक मण्डल के विचारों की उद्भावना स्पष्टतः नहीं है। अतः इसके लिए शोध-लेखक स्वयं उत्तरदायी है।
* शोध-पत्रिका की किसी भी सामग्री को प्रकाशक एवं मुद्रक की जानकारी के बिना अन्यत्र प्रकाशन अनुचित होगा।
* **आगामी अङ्क में प्रकाशनार्थ लेख आमंत्रित हैं। यदि आप लेख टाइप करा कर भेजने में असमर्थ हैं तो हस्तलिखित प्रति पत्रिका में दिये गये पत्र-व्यवहार के पते पर भेज दें।**
* प्रत्येक अङ्क पत्रिका की वेबसाइट पर अध्ययन हेतु उपलब्ध रहता है।
* अपेक्षित आर्थिक सहयोग अथवा अंशदान के लिए हम आपके अत्यंत आभारी रहेंगे।
* **कृपया लेख के साथ अपनी पासपोर्ट साइज की फोटो अवश्य भेजें।**
* **पत्रिका का वितरण निःशुल्क किया जाता है एवं विशेष अनुदान के लिए किसी पर कोई प्रतिबंध नहीं है। प्रकाशन के लिए कोई भी आवश्यक शुल्क नहीं है।**
* **शोध-पत्र हमारी विशेषज्ञ समीक्षा समिति (Peer Reviewed Committee) के द्वारा द्वि-स्तरीय समीक्षित होकर प्रकाशन हेतु स्वीकृत किया जाता है।**

© सर्वाधिकार सुरक्षित : रूपेश कुमार चौहान

ISSN : 2347-6605

- सभी पद अवैतनिक एवं परिवर्तनीय हैं।
- **'वाक् सुधा'** से संबंधित सभी विवादास्पद मामले केवल दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे।
- सारे भुगतान मनीआर्डर : चेक/ बैंक ड्राफ्ट **'वाक् सुधा'** के नाम से किए जाएं। कृपया दिल्ली से बाहर के चेक में बैंक कमीशन के 35.00 रुपये अतिरिक्त जोड़ें।

विशेष सूचना : शोध पत्रिका में प्रकाशित लेखों में दिए गये तथ्यों और इनसे सम्बन्धित किसी भी विवाद का पूर्ण दायित्व लेखक का होगा, प्रकाशक, सम्पादक, मुद्रक एवं पत्रिका से सम्बन्धित अन्य किसी भी व्यक्ति का नहीं। प्रेषित स्पष्टीकरण अवश्य प्रकाशित किया जायेगा।

सलाहकार परिषद् :

- **डॉ. एम.एस. चौहान**
(निदेशक, राष्ट्रीय डेयरी शोध संस्थान, करनाल, हरियाणा)
- **प्रो. अरविन्द कुमार पाण्डेय**
(पूर्व कुलपति, कामेश्वर सिंह संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा)
- **प्रो. मदन मोहन अग्रवाल**
(पूर्व कला संकाय अध्यक्ष, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)
- **महामहोपाध्याय प्रो. वेद प्रकाश शास्त्री**
(पूर्व उप-कुलपति, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार)
- **प्रो. गिरीश चन्द्र पंत**
(अध्यक्ष, संस्कृत विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, दिल्ली)
- **प्रो. रामनाथ झा**
(संस्कृत एवं प्राच्य विद्या अध्ययन संस्थान, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली)
- **डॉ. राजवीर शर्मा**
(पूर्व प्रोफेसर, राजनीति शास्त्र विभाग, आत्माराम सनातन धर्म कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)
- **प्रो. शम्स-उल-इस्लाम**
(प्रधानाचार्य, गया कॉलेज, गया, बिहार)
- **प्रो. राम सरेख सिंह**
(पूर्व विभागाध्यक्ष, दर्शनशास्त्र विभाग, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया)
- **प्रो. पवन अग्रवाल**
(हिन्दी एवं आधुनिक भाषा विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय)
- **प्रो. मोहम्मद मंसूर आलम**
(अध्यक्ष, उर्दू विभाग, मगध विश्वविद्यालय, बोध गया)
- **प्रो. आभा त्रिवेदी**
(पाश्चात्य इतिहास विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय)
- **प्रो. कमला उपाध्याय**
(विभागाध्यक्षा, संस्कृत, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया)
- **प्रो. रसाल सिंह**
(प्रोफेसर, जम्मू केन्द्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू)
- **डॉ. सोहनपाल सुमनाक्षर**
(राष्ट्रीय अध्यक्ष, भारतीय दलित साहित्य अकादमी एवं प्रसिद्ध दलित चिंतक)
- **डॉ. विक्रमादित्य राय**
(अध्यक्ष, समाज-शास्त्र विभाग, डी.ए.वी.पी.जी. कॉलेज, (बी.एच.यू.) वाराणसी
- **प्रो. राजेश रंजन**
(पालि विभाग, नालन्दा नव-महाविहार)
- **प्रो. सत्यदेव पोद्दार**
(इतिहास विभाग, त्रिपुरा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, त्रिपुरा)
- **प्रो. काशीनाथ जेना**
(राजनीति-शास्त्र विभाग, त्रिपुरा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, त्रिपुरा)
- **प्रो. मनीष सिन्हा**
(अध्यक्ष, इतिहास विभाग, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया)
- **डॉ. एम. रहमतुल्लाह**
(कंसल्टिंग एडिटर, दूरदर्शन न्यूज, भारत सरकार)

Editor
Dr. Rupesh Kumar Chauhan
M.A., M.Phil., Ph.D. (Sanskrit),
M.A. (History)
Mob : 9555222747, 9540468787,
9267944100

Executive Editior
Dr. Pramod Kumar Singh
M.A., Ph.D. (Sanskrit), M.A. (Philosophy)
Gold Medalist
Assistant Professor,
Department of Sanskrit, Maitreyi College,
University of Delhi
Mob : 9717189242

Sub.- Editor
Dr. Rajesh Kumar
M.A., M.Phil., Ph.D. (Sanskrit),
Asst. Prof., Department of Sanskrit
PGDAV College, University of Delhi
Mob. 9555666907, 9891526584

Co- Editor
Abhishek Priyadarshi
M.A., Ph.D. (History),
Asst. Prof., History Department
Satyawati College, University of Delhi
Mob. 9971656921

Legal Advisor :
Arun Kumar Shukla
LL.B., LL.M., D.U.
Mob. : 7011474039, 9650088311

Managing Editor
Thakur Prasad Chaubey
Mob. : 9810636082

Office Addresses :
Head Office (Delhi) :
Dharam Pal
I-11, Usha Kiran Building, Commercial Complex, Azadpur, ***Delhi-****110033*
Mob : 9267944100

Branch Office (Bihar) :
Prof. D.S. Chauhan
C/o Late Bindeshwari Singh, Jaiprakash Nagar, Gewal Bigha,
Gaya-*823001*
Mob. : 9263078395

Branch Office (International) :
• Mrs Kirthee Devi Ramjatton
Impasse Bois Cheri, Bois Cheri Road,
Moka- 80804 Mauritius
Email: kdramjatton@yahoo.com
Contact no.: +230 57882178

Correspondence Address :
B-11/39, MIG Flats, Near DDA Market,
Sector 18, Rohini, Delhi-110089
Mob : 9555222747

Designer :
Kawal Malik, J.D. Computers
Mob. : 9818455819

सम्पादक मंडल :

- **डॉ. वी.के. यादव**
(एसोसिएट प्रोफेसर, वाणिज्य विभाग, महाराजा अग्रसेन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)
- **डॉ. शाहिद तस्लीम**
(असिस्टेंट प्रोफेसर, उज्बेक भाषा विशेषज्ञ, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, दिल्ली)
- **डॉ. कृष्ण लाल**
(सेवानिवृत्त प्रोफेसर, हिन्दी विभाग, अरविन्दो कॉलेज (प्रातः), दिल्ली)
- **डॉ. शंकर नाथ तिवारी**
(असिस्टेंट प्रोफेसर, संस्कृत विभाग, त्रिपुरा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, त्रिपुरा)
- **डॉ. गिरिधर गोपाल शर्मा**
(असिस्टेंट प्रोफेसर, संस्कृत विभाग, पीजीडीएवी महाविद्यालय (प्रातः), दिल्ली)
- **डॉ. दिलीप कुमार झा**
(असिस्टेंट प्रोफेसर, संस्कृत विभाग, पीजीडीएवी महाविद्यालय (प्रातः), दिल्ली)
- **डॉ. जितेन्द्र कुमार**
(असिस्टेंट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष इतिहास विभाग, अनुग्रह नारायण स्मारक महाविद्यालय, मगध विश्वविद्यालय)
- **डॉ. वी.के. तोमर**
(एसोसिएट प्रोफेसर, वाणिज्य विभाग, महाराजा अग्रसेन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली)
- **डॉ. चंद्रशेखर पासवान**
(बौद्ध अध्ययन एवं सभ्यता विभाग, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा)
- **डॉ. संजय कुमार सेठ**
(हिन्दी विभाग, सत्यवती महाविद्यालय (प्रातः), दिल्ली)
- **डॉ. के.के. झा**
(हिन्दी विभाग, महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट, मोका, मॉरिशस)
- **डॉ. सुधीर कुमार सिंह**
(राजनीति विभाग, दयाल सिंह कॉलेज (प्रातः), दिल्ली)
- **डॉ. सुभाष कुमार सिंह**
(संस्कृत विभाग, किरोड़ीमल महाविद्यालय, दिल्ली)
- **डॉ. चन्द्रशेखर राम**
(हिन्दी विभाग, महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय, दिल्ली)
- **डॉ. नन्दिनी सहाय**
(समाज-शास्त्र, एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा)
- **Mrs. Kirthee Devi Ramjatton**
(Lecturer, Department of Sanskrit, School of Indological Studies, Mahatma Gandhi Institute, Moka - 80808 Mauritius)

Year - 5 Issue - 18 वसुधैव कुटुम्बकम् October 2020 ISSN 2456-0898

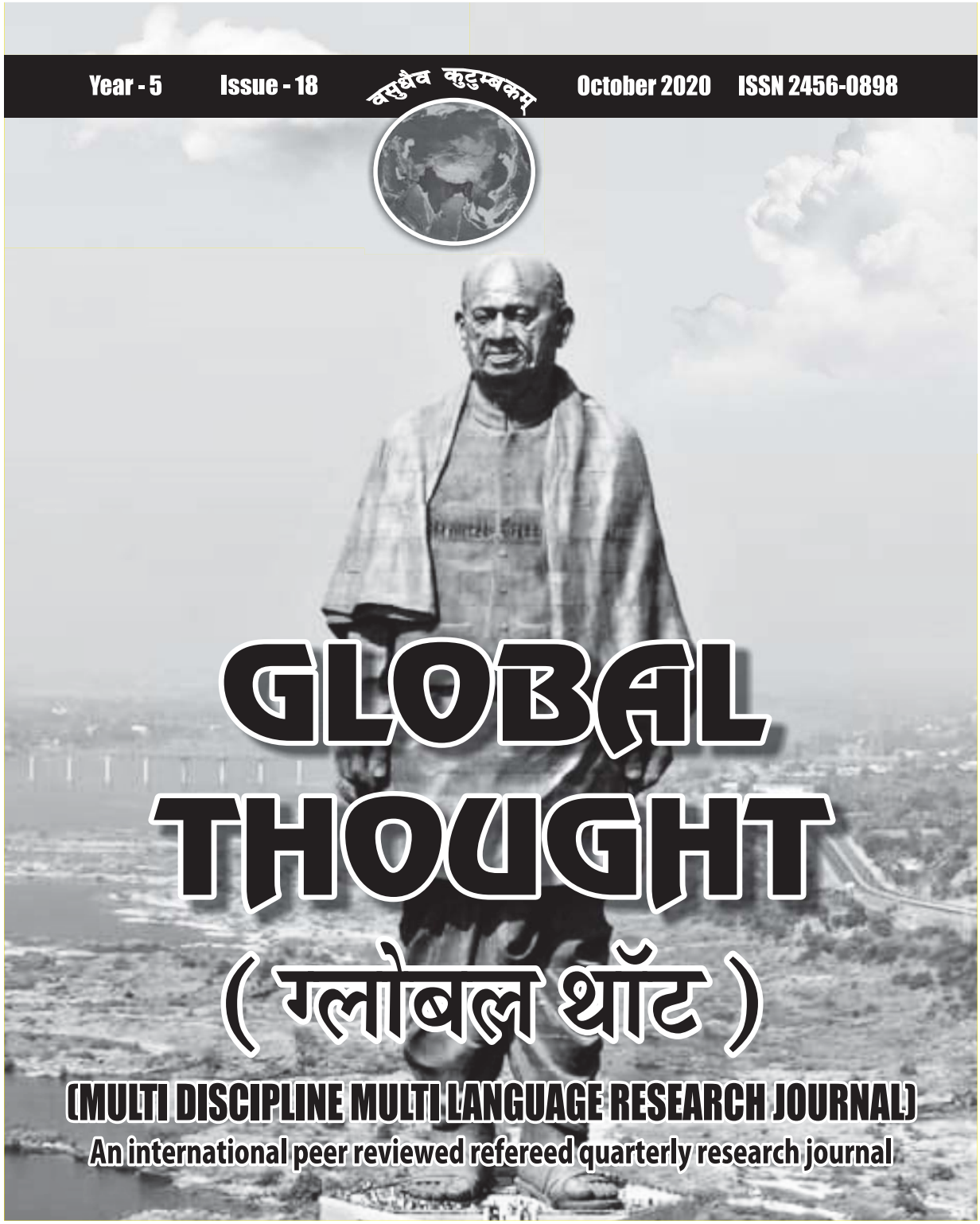

GLOBAL THOUGHT

(ग्लोबल थॉट)

(MULTI DISCIPLINE MULTI LANGUAGE RESEARCH JOURNAL)

An international peer reviewed refereed quarterly research journal

सम्पादक : डॉ रुपेश कुमार चौहान

दूरभाष : 9555222747

अनुक्रमणिका

सम्पादकीय 9

वैदिक आख्यान एक दार्शनिक पक्ष 10
डा. साक्षी

मीडिया का बदलता स्वरूप 14
डॉ. राम किशोर यादव

सूरकाव्य में स्त्री 17
रिंकु कुमारी

मुक्तिबोध की जनपक्षधरता 20
डॉ. शोभा कौर

स्वातंत्र्योत्तर भारत का विकास अनुभव 23
डॉ. मंजु कुमारी सिन्हा

भारत के विकास में बाधक सामाजिक तथ्य 28
धर्मवीर प्रसाद

आधुनिक बिहार के निर्माता–*डॉ० सच्चिदानन्द सिन्हा* **: व्यक्तित्व एवं कृतित्व** 32
रीता कुमारी

संस्कृत में वैश्विक संदर्भ
(कतिपय शास्त्रादि ग्रन्थों के आलोक में) 35
डॉ. ललन कुमार पाण्डेय

सतत् विकास की अवधारणा : एक विश्लेषणात्मक अध्ययन 43
डॉ. चन्द्रमणि प्रसाद

भारत में राष्ट्रवाद के अध्ययन की पद्धतियां 47
डॉ. तुंगनाथ मौआर

मौर्योत्तर समाज - परिवर्तन एवं समन्वय 53
डॉ. प्रशांत कुमार

स्वतंत्र्योत्तर हिन्दी उपन्यास में साम्प्रदायिकता और राजनीति 57
डॉ. नवीन कुमार

समय की धार में धँस कर खड़ा कवि : केदारनाथ अग्रवाल 60
डॉ. राकेश शर्मा

हिन्दी कविता में राष्ट्रीय चेतना 75
विनीता कुमारी

गोपाल सिंह नेपाली और जानकीवल्लभ शास्त्री के गीतों में शास्त्रीयता 77
डॉ गुरू चरण सिंह

भारत में सांप्रदायिकता का पुनरुत्थान एवं विकास : दूसरे विश्व युद्ध तक एक दृष्टि 81
संजीव कुमार

भाषा के बहुविध आयाम: एक शिक्षाशास्त्रीय विमर्श 84
सच्चिदानंद सिंह

रंगकर्म और कोरोना 90
भानु प्रताप सिंह

अम्बेडकर : नारी उत्थान के सूत्रधार 92
राजन कुमार शर्मा

नई कहानी आन्दोलन : एक पर्यवेक्षण 96
डॉ. पंकजेन्द्र किशोर

भारतीय दर्शन के प्रारब्ध (भाग्य) के संदर्भ में कर्म-सिद्धान्त 101
डॉ कौशलेन्द्र कुमार

पटना बाढ़ : समस्या, कारण एवं समाधान 103
शाहिद अख्तर

रेणु के रिपोर्ताज : भाषा और शिल्पगत वैविध्य 108
डॉ. सावन कुमार

हिंदी में ऐतिहासिक उपन्यासों की परंपरा 112
डॉ. मेनका कुमारी

धूमिल की कविताओं में राजनीतिक-चेतना एवं प्रतिरोध 116
अनुज कुमार

वायु प्रदूषण : कारण, दुष्प्रभाव एवं समाधान दिल्ली के विशेष संदर्भ में 120
आबिद अख्तर

नये राज्यों का निर्माण एवं संघीय चुनौतियाँ 129
डॉ. प्रदीप कुमार माँझी

भारतीय विदेश नीति के निर्धारक तत्व एवं नवीन प्रवृत्तियां 132
डॉ. बालेश्वर माँझी

छायावादी काव्यधारा में अभिव्यक्त नारी-भावना 136
डॉ. प्रभा नन्दा

'राम-रहीम' में नारी संबंधी विविध समस्याएँ ... 139
डॉ. अश्विनी कुमार

रजनी तिलक के काव्य में दलित जीवन और सरोकार 142
डॉ. चैनसिंह मीना
शिवानी के निबंधों में आम जन-जीवन 150
इन्द्र भूषण
शैलीमापक्रमिकी विश्लेषण : शिवपूजन सहाय कृत 'कहानी' 'कहानी का प्लॉट' के संदर्भ में 153
डॉ. समदर्शी कुमार
रायका (रैबारी) जाति के व्यावसायिक एवं राजनैतिक प्रतिमानों का एक समाजशास्त्रीय अध्ययन (राजस्थान के विशेष संदर्भ में) 156
डॉ. भूरसिंह जाटव
बुद्ध धम्म का दर्शन 165
शंभू कुमार
अलका सरावगी के उपन्यासों में चित्रित स्त्री जीवन 168
डॉ. कंचन कुमारी
मंदिर प्रवेश आन्दोलन में गांधी और अम्बेडकर की भूमिका-एक अध्ययन 172
गायत्री सिन्हा
भारतीय सामंतवाद और इतिहास लेखन की परंपरा 177
अभिषेक प्रियदर्शी
भारतीय दर्शन में पदार्थ 187
डॉ. राजेश कुमार
गया नगर : भौगोलिक आकारिकी एवं ऐतिहासिक स्थिति 193
डॉ. राजू रंजन प्रसाद
पाणिनि अष्टाध्यायी में हेतुमत् णिच् 200
डॉ. भूपेन्द्र कुमार
अद्वैत वेदान्ती भारतीतीर्थ का व्यक्तित्व एवं कृतित्व 205
निर्मला
कालिदास का पर्यावरण चिन्तन 210
डॉ. अमोघ रंजन पाठक
पर्यावरणीय इतिहास और अंत:विषयात्मकता ... 214
राकेश कुमार
चीनी विस्तारवाद की चुनौती 218
प्रो. रसाल सिंह
सन्तुलित भोजन-गीता का ज्ञान 223
स्वयंप्रभा
महामारी का समाज और साहित्य पर प्रभाव : ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में 227
प्रकाश
पूर्णिया जिला में कृषि आधारित उद्योग के विकास की संभावना 231
मितु कुमारी
श्रीमद्भगवद्गीता में योग का स्वरूप 234
डॉ. राधा कान्त तिवारी
रामायण का आदिकाव्यत्व 239
डॉ. आशुतोषकुमारमिश्र:
गांधी के धर्म संबंधी विचार 241
डॉ. श्वेता सत्यम्
भारत में रेडियो प्रसारण-आरम्भ से आकाशवाणी तक : एक दृष्टि 243
नेहा कक्कड़
मोहनदास नैमिशराय के उपन्यासों में स्त्री-विमर्श 246
मिनाक्षी
शेखावाटी क्षेत्र में पर्यटन विकास : संभावनाएँ व चुनौतियाँ 249
डॉ. सीताराम
आंचलिकता की अवधारणा एवं आंचलिक उपन्यास 254
संजीत कुमार
सिद्धान्तकौमुद्या: आदिमङ्गलांचरण समीक्षणम् ... 258
राकेश रौशन चौधरी
मौर्यकालीन युवराजों की राजनीतिक व्यवस्था : एक विवेचन 260
संजीव रंजन
मनुस्मृति में वर्णित वर्ण-व्यवस्था 264
ममता कुमारी
डॉ. श्यौराज सिंह 'बेचैन' की कविताओं में दलित चेतना 268
डॉ. सुनीता कुमारी
ग्लोबल गाँव का देवता उपन्यास में जनजातीय एवं पर्यावरणीय चेतना 271
राहुल कुमार
प्रतिरोध की परम्परा और विद्रोही की कविताएँ .. 275
दिनेश यादव
छायावादी कवि सुमित्रानंदन पंत के काव्य में प्रकृति-चित्रण 279
रवि भूषण कुमार
आयुर्वेद में धातुनिर्माण प्रक्रिया 282
डॉ. अजित कुमार

सम्पादकीय

कोरोना काल में **वाक् सुधा** का 'जुलाई-सितम्बर 2020' का यह विशेष अंक आप सबको समर्पित करते हुए अपार संतोष हो रहा है। कोरोना ने हमारी जीवन पद्धति को पूरी तरह बदल दिया है। लॉकडाउन के शुरुआती समय में कोरोना को लेकर व्यापक पैमाने पर दहशत का माहौल था जो धीरे-धीरे कम होता गया। ऑनलॉक के साथ ही हम सब पूर्ववत व्यवहार करने लगे, जिस कारण कोरोना ने फिर से कहर ढाना शुरू कर दिया है। शेष भारत के बनिस्पत राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में स्थिति अभी भी भयावह है। कोरोना के मामले लगातार बढ़ रहे हैं, साथ ही मृत्यु दर भी बढ़ रही है। कोरोना को लेकर जो जरूरी नियम और सावधानियाँ हैं, उसको लेकर उपेक्षा का भाव है। मास्क लगाना, सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करना तथा बार-बार हाथ धोने या सेनेटाइज करने को जीवन का जरूरी हिस्सा बनाना ही पड़ेगा। हाथ मिलाने, गले मिलने या अनावश्यक मौज-मस्ती के लिए घर से बाहर निकलने से बचना पड़ेगा। वैक्सीन अभी आई नहीं है, और कब तक आएगी यह भी पक्के तौर पर नहीं कहा जा सकता।

विशेषज्ञों का कहना है कि वैक्सीन आते ही सब सामान्य हो जाएगा ऐसा नहीं है? उसके आने में और सब तक पहुंचने में समय लगेगा। इसलिए जितनी जल्दी हो सके अपने व्यवहार बदलिए, आदतें बदलिए। रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाकर जागरूक रहते हुए सक्रिय रहिए। सारे शिक्षण संस्थान बंद है। हमारे युवा शोधार्थी मित्रों का कहना है कि यूनिवर्सिटी में लाइब्रेरी, लैब इत्यादि के बंद होने से शोध कार्य एकदम ठप पड़ा हैं कई शोधार्थियों का शोध समय भी पूर्ण होने वाला है। तमाम तरह की आशंकाएं हैं। गुजरात, राजस्थान और बिहार एवं दिल्ली में व्यापक पैमाने पर विश्वविद्यालय, कॉलेजों वैंकेसी भी निकली है, जिसमें नए मानदण्डों के अनुसार पी. एच.डी. को काफी वेटेज दिया गया है। ऐसे में युवा शोधार्थी मित्र दुखी हैं। उनकी विवशता को समझा जा सकता है। बहरहाल इस अंक में हमेशा की तरह विद्वत परिषद द्वारा अनुमोदित 50 के आसपास शोध लेख हैं। **वाक् सुधा** के अन्य पूर्ववर्ती अंकों की तरह यह अंक जुलाई-सितम्बर 2020 भी संग्रहणीय है। कई युवा शोधार्थियों ने इस विपरीत परिस्थिति में भी बहुत ही लगन और मेहनत के साथ अपने शोध आलेख को लिखा है।

मैं इस अंक में चयनित एवं प्रकाशित उन सभी शोधकर्त्ताओं को सुन्दर शोध आलेख के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं जिन्होंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करके सर्वोत्कृष्ट शोध आलेख को लिखा। कोरोना के कारण अन्य पत्रिकाओं की तरह **वाक् सुधा** का प्रकाशन प्रभावित हुआ था, जो अब धीरे-धीरे व्यवस्थित हो रहा है। अगला 'अक्टूबर-दिसम्बर 2020' का अंक समय पर प्रकाशित होगा, ऐसा हमारी टीम का संकल्प है। उस अंक के लिए भी आपके शोध-पत्र आमंत्रित हैं। आप सब अपना सहयोग, समर्थन और प्यार **वाक् सुधा** से बनाएं रखें। साथ ही हम सब एक साथ सर्वशक्तिमान परमेश्वर से यह प्रार्थना करें कि कोरोना नामक वायरस समाप्त हो। पहले की तरह शोध-कार्य, पठन-पाठन और परिचर्चा हो सके। कोरोना ने हर क्षेत्र को क्षति पहुंचाई है लेकिन शिक्षा व्यवस्था को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया है। सबका मंगल हो, सभी स्वास्थ्य रहें, इसी मंगलकामना के साथ।

– राजेश कुमार
उपसंपादक